# ई-संदेश

उत्तर प्रदेश

23 मई, 2018 • वर्ष 1, अंक 18

## सात दिन – सात पृष्ठ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' को 'साहित्य गौरव' सम्मान से विभूषित किया गया

- कुंभ से पहले बहेगी निर्मल-अविरल गंगा
- अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा गोरखपुर
- जनपद गोण्डा के चार वनटांगिया गांव बने राजस्व ग्राम
- मिट्टी के उद्योग को संरक्षण देने हेतु गठित होगा माटी कला बोर्ड
- पाइपलाइन से घरों में पहुंचेगी गैस
- दिव्यांगजन के प्रोत्साहन और स्वावलम्बन के लिए तत्पर सरकार

## संकल्प से सिद्धि की ओर अग्रसर उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश

# दिव्यांगजन के प्रोत्साहन और स्वावलम्बन के लिए तत्पर सरकार

**राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मेधावियों को दिए पदक**

**39 स्वर्ण, 32 रजत, तथा 32 कांस्य पदक**

**829 विद्यार्थियों को मिलीं उपाधियां**

विश्वविद्यालय से दीक्षा प्राप्त कर लेने के बाद किताबी पढ़ाई समाप्त और जीवन की लड़ाई प्रारम्भ होती है। जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए 4 मंत्रों, व्यक्तित्व विकास पर कार्य करना, अच्छे काम की तारीफ करना, किसी की अवमानना न करना तथा किसी भी कार्य को अच्छे से अच्छा करने के निरन्तर विचार करते रहना आवश्यक है।

**जीवन एक कला है, धैर्य के साथ अपनी ऊर्जा और प्रतिभा को समुचित ढंग से प्रयोग करने वाले के लिए कुछ भी कठिन नहीं है। जीवन में कुछ विशिष्ट करने के लिए सकारात्मक नजरिया आवश्यक है।**

**केन्द्र और प्रदेश सरकार दिव्यांगजन के कल्याण के लिए सतत कार्यरत है। इस उद्देश्य से अनेक कदम उठाये गये हैं। प्रधानमंत्री जी स्वयं इन कार्यों की मॉनीटरिंग करते रहते हैं। राज्य सरकार डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में अध्ययनरत दिव्यांगजन के कल्याण, प्रोत्साहन और स्वावलम्बन के लिए हर सम्भव प्रयास करेगी।**

**–योगी आदित्यनाथ**

यह विचार राज्यपाल राम नाईक जी ने डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय के दीक्षान्त समारोह में व्यक्त किए।

### बढ़ रहा महिला सशक्तीकरण

राज्यपाल महोदय ने कहा कि उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों में छात्राओं की बढ़ती संख्या महिला सशक्तीकरण का प्रमाण है। यह पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी द्वारा शुरू किये गये 'सर्वशिक्षा अभियान' तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' योजना की सफलता का परिचायक है।

### प्रतिभा प्रोत्साहन के लिए उचित मंच है आवश्यक

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा मनुष्य ईश्वर की सर्वश्रेष्ठ कृति है। इसके साथ भेदभाव सृष्टि के साथ अन्याय है। प्रतिभा हर मनुष्य में होती है। यह किसी व्यक्ति, जाति की मोहताज नहीं है। प्रतिभा को मंच की आवश्यकता होती है। डॉ. शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय यही मंच देने का कार्य कर रहा है। ■

## खास खबर

# पाइप लाइन से घर–घर पहुंचेगी गैस

प्रदेश सरकार ने सभी नगरीय निकाय क्षेत्रों में घर–घर पाइप लाइन से गैस पहुंचाने का फैसला किया है। ग्रीन गैस लिमिटेड नगर निगमों, नगर पालिका परिषदों व नगर पंचायतो में घर–घर पाइप नेचुरल गैस (पीएनजी) पहुंचाने को पाइप लाइन बिछाएगी। आगरा व लखनऊ से इसकी शुरूआत होगी। कैबिनेट ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

### भूमिगत पाइपलाइन हेतु गाइडलाइन स्वीकृत

भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के लिए गाइडलाइन को भी मंजूरी दी गई है। निकायों में पाइप लाइन बिछाते समय सुरक्षा का पर्याप्त बंदोबस्त किया जाएगा। वर्तमान में सड़क परिवहन से एलपीजी गैस घर–घर पहुंचाई जा रही है। इससे यातायात का दबाव व पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। भूमिगत पाइप लाइन से सस्ते व सुरक्षित ईंधन की आपूर्ति हो सकेगी। पर्यावरण पर कोई प्रतिकूल प्रभाव भी नहीं पड़ेगा। पाइप लाइन आधुनिक तकनीक से डाली जाएगी जिससे जमीन की सतह पर होने वाले क्रियाकलाप में बहुत कम बाधा आएगी और समय भी कम लगेगा।

### पाइपलाइन बिछाने के लिए आसान नियम

निकायों में जीआई पाइप लाइन बिछाने की प्रक्रिया बेहद और मंहगी है। इसे देखते हुए सरकार ने नियम आसान किए हैं। ग्रीन गैस लिमिटेड को पाइप लाइन बिछाने के लिए शहरी निकायों से करार करना होगा। इसके तहत कम्पनी को एक हजार रूपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से शहरी निकायों को भुगतान करना होगा।

### सुरक्षा शर्तें भी

ग्रीन गैस लिमिटेड के लिए कुछ सुरक्षा शर्तें भी रखी गई हैं। कम्पनी को काम करने के दौरान बैरीकेडिंग करवानी होगी। काम के दौरान किसी भी तरह की दुर्घटना की पूरी जिम्मेदारी कम्पनी की होगी। कम्पनी अगर अपने किसी भी पोल पर विज्ञापन आदि करती है तो उसके लिए उसे सम्बंधित शहरी निकायों से अनुमति लेनी होगी और भुगतान करना होगा।

# अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर चमकेगा गोरखपुर

## गोरखपुर में बनेगा वॉटर स्पोर्ट्स काम्पलेक्स

पर्यटन जहां एक ओर रोजगार देता है, वहीं स्थानीय स्तर पर लोगों का जीवन स्तर भी उपर उठाता है। इसलिए प्रदेश सरकार पूर्वांचल क्षेत्र के विकास हेतु पर्यटन की संभावनाओं पर विशेष ध्यान दे रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद गोरखपुर में 40 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले वॉटर स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का शिलान्यास एवं लगभग 78 लाख रुपए की लागत से निर्मित रामगढ़ताल बोट जेटी के जीर्णोद्धार का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गोरखपुर को अर्न्तराष्ट्रीय मानचित्र पर लाने के लिए रामगढ़ताल तथा बौद्ध परिपथ के केन्द्र बिन्दु के रूप में इसका विकास किया जायेगा।

**पर्यटन का बजट 60 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 600 करोड़ रुपए कर दिया है। इससे शीघ्र ही पूरा प्रदेश अर्न्तराष्ट्रीय मानचित्र पर आ जायेगा। नयी पर्यटन नीति में वेलनेस सेण्टर, योगा सेण्टर संचालित करने तथा एडवेन्चर स्पोर्ट्स एवं बैलूनिंग सम्बन्धी स्पोर्ट्स चलाने पर 15 से 20 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाएगा।**

**गोरखपुर विश्व को शांति और बंधुत्व की राह दिखाने वाले महात्मा बुद्ध के जन्म स्थान लुम्बिनी से 90 किमी., परिनिर्वाण स्थल कुशीनगर से 60 किमी. तथा सारनाथ से 200 किमी. है। बौद्ध परिपथ का निर्माण करके प्रदेश सरकार बौद्ध धर्म को मानने वाले पर्यटकों को आकर्षित करने की योजना पर कार्य कर रही है।**

**विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता। इसके लिए सभी को सोचने एवं कार्य करने की आवश्यकता है। परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण के बाद आवश्यकता है कि लोग इससे जुड़ें। पूर्वांचल क्षेत्र को विकास की राह पर लाने हेतु प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास करेंगे, जिससे अयोध्या, गोरखपुर, बलिया, इलाहाबाद को जोड़ा जाएगा।**

## गोरखपुर को मिला स्टेडियम और राजकीय महाविद्यालय

स्कूल, कॉलेज, आईटीआई, पॉलीटेक्निक, स्टेडियम, व्यायामशाला स्थापित करना राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। मुख्यमंत्री जी ने गोरखपुर के जंगल कौड़िया ब्लॉक रसूलपुर चकिया में महंत अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय एवं महंत अवेद्यनाथ जी महाराज ग्रामीण स्टेडियम के भूमि पूजन पर कहा कि एक साल में निर्माण पूरा कराकर अगले सत्र से बी.ए. एवं बी.एस.सी. की कक्षाओं में प्रवेश शुरू कर दिया जाएगा।

स्टेडियम में इनडोर गेम्स के लिए मल्टीपरपज हॉल, एथलेटिक्स ट्रैक, हॉकी, फुटबाल तथा वॉलीबॉल फील्ड का निर्माण किया जाएगा। ग्रामीण क्षेत्र के युवा स्टेडियम के बन जाने से अपने क्षेत्र में ही उचित प्रशिक्षण एवं गाइडेंस में अपनी प्रतिभा को निखार सकेंगे।

**प्रदेश सरकार के 14 माह के कार्यकाल में कैम्पियरगंज विधानसभा के सोनौरा में वीरबहादुर सिंह इंटर कालेज तथा हरनामपुर में डॉ. बी. आर. आम्बेडकर इंटर कालेज का शिलान्यास किया गया, जिनका निर्माण तेजी से हो रहा है।**

# काशी की विरासतों और धरोहरों को हर हाल में संजोया जायेगा

काशी की एक आध्यात्मिक शर के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान है और प्रदेश सरकार इस पहचान को चिरस्थायी रखते हुए इस शहर के योजनाबद्ध एवं समुचित विकास हेतु कृतसंकल्प है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद वाराणसी में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा के दौरान जनपद में संचालित निर्माण योजनाओं को युद्धस्तर पर अभियान चलाकर पूरा कराए जाने के निर्देश दिए।

## निर्धारित समयावधि में पूरी होंगी परियोजनाएं

संचालित परियोजनाओं का कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ सुरक्षा मानकों का ध्यान रखते हुए निर्धारित समयावधि में पूरा किया जाएगा। इसके लिए विभागीय अधिकारी प्रतिदिन, जिलाधिकारी साप्ताहिक तथा कमिश्नर पाक्षिक रूप से परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा और स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

## सड़को के निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान

शहर की सड़कों की स्थिति में तेजी से सुधार लाने के लिए लोक निर्माण विभाग एवं नगर निगम तथा ग्रामीण सड़कों को लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायत एवं मण्डी परिषद युद्धस्तर पर अभियान चलाकर दुरुस्त करायेंगे। सड़कों के निर्माण कार्य में गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया जाएगा।

## काशी विश्वनाथ मंदिर का होगा विस्तारीकरण

काशी विश्वनाथ मंदिर के विस्तारीकरण कार्य काशी के अतीत के साथ जोड़ने का कार्य है, इसमें स्थानीय जनता एवं प्रबुद्ध लोगों का सहयोग भी लिया जाएगा। कार्य के दौरान किसी भी दशा में किसी मंदिर अथवा विग्रह के साथ किसी भी प्रकार का कोई छेड़छाड़ नहीं होगी। काशी की विरासत एवं धरोहरों को हर हालत में संजोया जाएगा।

## शीघ्र प्रारंभ होगा पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का निर्माण कार्य

मुख्यमंत्री जी ने 9703.88 लाख रुपए की लागत से बनने वाले पंचकोसी परिक्रमा मार्ग का निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्य के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े।

## प्रतिदिन पैदल गश्त करेगी पुलिस

आमजन में पुलिज की मित्र छवि निखारने हेतु पुलिस रोजाना पैदल गश्त करेगी। थानों में साफ–सफाई, फरियादियों को बैठने एवं पीने के पानी का समुचित इन्तजाम होगा। भारी वाहनों के लिए निरुद्ध मार्गो पर किसी भी दशा में भारी वाहनों का संचालन नहीं होगा।

# मदरसों में एनसीईआरटी की पुस्तकों से होगी पढ़ाई

**आधुनिक विषयों के लिए पाठ्यक्रम में शामिल होंगी पुस्तकें**

उत्तर प्रदेश के सभी मान्यता प्राप्त मदरसों में आधुनिक विषयों की पढ़ाई के लिए एन.सी.ई.आर.टी की उपलब्ध पाठ्य पुस्तकों को शामिल किया गया है। यह निर्णय शैक्षिक सत्र 2018–19 से प्रभावी होगा। मदरसों में पढ़ाये जाने वाले आधुनिक विषयों में गणित, विज्ञान, अंग्रेजी, हिन्दी, कम्प्यूटर विज्ञान, सामाजिक विज्ञान जैसे विषय शामिल हैं। एन.सी.ई.आर.टी की पाठ्य पुस्तकें शामिल करने का मुख्य उद्देश्य मदरसा शिक्षा का उन्नयन, मानकीकरण और उसमें एकरूपता लाना सुनिश्चित करना है।

# कुंभ से पहले बहेगी निर्मल-अविरल गंगा

## संत कबीर की नगरी मगहर का होगा विकास

**स**माज को नई राह दिखाने और चेतना जगाने वाले वाले संत कबीर दास की नगरी मगहर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने उनकी समाधि पर पुष्प अर्पित कर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी।

उन्हानें संत कबीर की समाधि स्थल पर इण्टरलॉकिंग की मरम्मत और कबीर घाट के सौन्दर्यीकरण एवं सीढ़ियों पर पत्थर आदि लगाए जाने के निर्देश दिए। संत कबीर दास जी की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखने हेतु मगहर में कबीर शोध स्थल का निर्माण भी प्रस्तावित है।

**मगहर में बनेगा हैलीपैड, सफ होगी आमी नदी**

मगहर में हवाई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु हेलीपैड बनाया जायेगा। जो भी सड़कें आदि टूटी हैं, उनकी तत्काल मरम्मत कराई जाएगी। आमी नदी को स्वच्छ बनाने के लिए भी कार्य किया जायेगा।

मगहर में किए जा रहे विकास कार्यो को तेजी व गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाएगा। आमी नदी को साफ रखने के लिए एस.टी.पी. आदि की व्यवस्था की जाएगी तथा कोई भी औद्योगिक कचरा नदी में नहीं गिरने दिया जाएगा। मगहर में पर्यटन के विकास के लिए तेजी के कार्य कराए जाएंगे। इसमें बजट की कमी नहीं आने दी जाएगी।

**गंगा की शुद्ध धारा में होगा कुंभ का स्नान**

**कुम्भ 2019 के शाही स्नानों की तिथियां घोषित**

**कुंभ जाने वाले यात्रियों को नहीं देना होगा टोल टैक्स**

**उ**त्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के अनुसार कुम्भ, 2019 एक अभूतपूर्व आयोजन होने जा रहा है। यह भारत का एक भव्य एवं दिव्य आयोजन होगा, जो यहां की सांस्कृतिक गतिविधियों में एक अलौकिक घटना के रूप में प्रसिद्ध होगा।

**नदियों में नहीं प्रवाहित होगा कचरा**

अपने इलाहाबाद भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुम्भ के असर पर गंगा-यमुना में जो जल आयेगा, वह अत्यंत शुद्ध होगा, 15 दिसम्बर, 2018 से 15 मार्च, 2019 तक गंगा, यमुना तथा उनकी सहायक नदियों में कोई कचरा नहीं प्रवाहित होगा तथा श्रद्धालुओं को पूर्णतया शुद्ध जल स्नान के लिए उपलब्ध रहेगा।

कुम्भ, 2019 के शाही स्नान की तिथिया 15 जनवरी मकर संक्रान्ति, 04 फरवरी मौनी अमावस्या तथा 10 फरवरी बसंत पंचमी होंगी। इसके अलावा अन्य प्रमुख स्नान पर्वो यथा पौष पूर्णिमा, माघी पूर्णिमा तथा महाशिवरात्रि आदि का भी आयोजन होगा।

**मेले के लिए हो रहीं हैं अभूतपूर्व तैयारियां**

कुम्भ में पधारने वाले श्रद्धालुओं को कम से कम पैदल चलना पड़े, इसलिए पार्किंग मेला क्षेत्र के 05 किमी के दायरे में ही स्थापित की जाएगी। पूरे मेला क्षेत्र और प्रयागराज में सीसीटीवी तथा ड्रोन कैमरों से निगरानी की जायेगी। सुरक्षा के व्यापक इन्तजाम होंगे।

**कुम्भ मेले के साथ प्रयाग पर भी सरकार दे रही है ध्यान**

पहली बार कुम्भ मेले के साथ-साथ प्रयाग नगर को भी संवारने और विकसित करने का कार्य किया जा रहा है। प्रयाग को पूरे देश के हर कोने से रेल और सड़क मार्ग से जोड़ा जा रहा है। कुम्भ अवधि के दौरान प्रयाग आने वाले मार्गो पर टोल टैक्स नहीं लिया जायेगा। प्रयाग तक विशेष ट्रेनें चलाने के साथ-साथ इलाहाबाद को देश के प्रमुख नगरों से वायुसेवा से भी जोड़ा जा रहा है। प्रयागराज के धर्म स्थलों का विकास ऐसे किया जायेगा कि उनको देखकर ही कुम्भ की दिव्यता का आभास हो।

# जैव परियोजनाओं की स्थापना हेतु दिखाई 27 निवेशकों ने रुचि

उत्तर प्रदेश में जैव परियोजनाओं की स्थापना के लिए 27 निवेशकों ने अपने प्रस्ताव राज्य सरकार को दिए हैं। जैव ऊर्जा परियोजनओं के तहत बायो डीजल, बायो एथेनॉल, मेथेनॉल, बायो गैस/बायो सीएनजी तथा प्राडयूसर गैस, बायो कोल इकाइयों की स्थापना प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में की जानी है।

निवेशकों द्वारा दिए गए प्रस्तावों का मूल्यांकन पूर्व में जारी शासनादेश के अंतर्गत किया जा रहा है। मूल्यांकन के उपरान्त प्राप्त प्रस्तावों की स्वीकृति समिति/इम्पावर्ड कमेटी द्वारा की जाएगी। प्रदेश में जैव ऊर्जा परियोजना उत्पादन इकाइयों को उद्यमिता मोड में स्थापित करने का निर्णय लिया गया। इसके लिए इच्छुक निवेशकों से प्रस्ताव आमंत्रित किए गए थे, जिसके परिणाम काफी उत्साहजनक रहे।

विभिन्न जैव ऊर्जा परियोजनाओं के उत्पादनरत होने से पर्यावरण संरक्षण को लाभ मिलेगा। इसके साथ ही पेट्रोलियम आधारित इंधन की खपत उत्तरोत्तर रुप से कम हो सकेगी। अतिरिक्त रोजगार सृजन तथा आर्गेनिक खेती के लिए आवश्यक इनपुट्स की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। साथ ही बायो डीजल एवं बायो एथेनॉल, बायोकोल ;पैलेट्स तथा ब्रिकेटसद्ध आदि जैसी परियोजनाओं की स्थापना से जैव ऊर्जा उद्यम प्रोत्साहन कार्यक्रमों को प्रभावी रुप से गति मिल सकेगी।

# जनपद गोण्डा के चार वनटांगिया गांव बने राजस्व ग्राम

आजादी के सत्तर वर्ष बीतने के बाद भी समाज की मुख्य धारा व सरकार की तमाम विकासपरक व जनकल्याणकारी तथा लाभार्थीपरक योजनाओं से वंचित व उपेक्षित वनटांगिया ग्राम अशरफाबाद, बुटहनी, मनीपुर ग्रान्ट व रामगढ़ को मुख्यमंत्री जी ने राजस्व ग्राम घोषित कर वनटांगिया ग्राम निवासियों के चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी।

### कृषि एवं आवासीय भूमि के पट्टे वितरित

गोण्डा जिले की मनकापुर तहसील स्थित वनटांगिया गांव अशरफाबाद में मुख्यमंत्री जी ने इन गांवों के 112 परिवारों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ते हुए उन्हें सरकार की योजनाओं से लाभान्वित किया। उन्होने चारों वनटांगिया ग्रामों के निवासियों को कृषि एवं आवासीय भूमि के पट्टों के आवंटन प्रमाण–पत्र, प्रधानमंत्री आवास, राशन कार्ड, शौचालय, वृद्धावस्था पेंशन आदि सरकारी योजनाओं के स्वीकृति पत्र तथा दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल सहित अन्य उपकरण भी प्रदान किए। उन्होंने 17034 लाख रुपए की लागत वाली 82 योजनाओं का लोकार्पण व 5665.20 लाख रुपए की लागत वाली 82 परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

### पर्यटन स्थल के रूप में होगा छपिया का विकास

गोण्डा जनपद के विकास के लिए मेडिकल कॉलेज, वनटांगिया क्षेत्र में राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय सह छात्रावास की स्थापना के साथ–साथ नई सड़कों, पुलों के निर्माण कार्य जल्द शुरू कराया जायेगा। भगवान घनश्याम की जन्म स्थली स्वामी नरायन छपिया को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा।

स्वामी नरायन छपिया को वायु सेवा व बेहतर सड़क परिवहन से जोड़ा जायेगा। देवीपाटन मण्डल के नेपाल से जुड़े हुए सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर सड़कें बनवाने का काम शीघ्र प्रारम्भ होगा। यहां निवास करने वाली थारू जनजाति के विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

# बुंदेलखण्ड में उद्यमियों को रियायती दर पर मिलेगी जमीन

बुन्देलखण्ड के समग्र विकास हेतु राज्य सरकार ने गम्भीर प्रयास शुरू कर दिये हैं। बुंदेलखण्ड में औद्योगिक विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है। बुंदेलखण्ड क्षेत्र में भारी संख्या में उद्योग–धंधे स्थापित कराने के लिए आकर्षक नीति भी बनाई गई है। उद्यमियों को रियायती दर पर जमीन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के साथ–साथ सम्मान और सुरक्षा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है।

### झांसी में होगा सेमिनार का आयोजन

बुंदलेखण्ड में उद्यमियों को उद्यम स्थापना हेतु प्रोत्साहित करने लिए झांसी में 9 जून को एक सेमिनार का आयोजन किया जायेगा। इसमें विभिन्न औद्योगिक संगठनों तथा संघो के लगभग 500 प्रतिनिधि भाग लेंगे। लघु उद्यमियों को बुन्देलखण्ड के लिये प्राविधानित छूट आदि के विषय में अवगत कराया जायेगा। औद्योगिक गतिविधियों के संचालन से बुंदेलखण्ड का पिछड़ापन दूर होगा और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

# दुग्ध उत्पादकों को गोकल पुरस्कार

उत्तर प्रदेश सरकार सहकारी क्षेत्र में दुग्ध उत्पादकों को स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त अधिकतम दुग्ध उत्पादन हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 'गोकुल पुरस्कार' से पुरस्कृत करेगी। प्रदेश के 75 जनपदों के अन्तर्गत स्थापित दुग्ध संघ को सर्वाधिक दूध का विक्रय करने वाले प्रथम दो दुग्ध उत्पादकों को प्रथम व द्वितीय पुरस्कार क्रमशः 2 लाख रुपये, 1.50 लाख रुपये तथा शेष 73 जनपदों के दुग्ध उत्पादक विजेताओं को 51000 रुपये के नगद पुरस्कार और एक शील्ड जिस पर एक गाय, दूध पीता बछड़ा तथा श्रीकृष्ण की मूर्ति अंकित होगी, प्रदान की जायेगी।

# मिट्टी के उद्योग को संरक्षण देने हेतु गठित होगा माटी कला बोर्ड

समय की आवश्यकता को देखते हुए कुम्हारी कला में परम्परागत शिल्प के साथ आधुनिकता का समावेश किए जाने की जरूरत है। प्रजापति समाज और कुम्हारी कला के माध्यम से कम पूंजी में उद्योगों को स्थापित किया जा सकता है, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार सृजन होगा।

### मिट्टी के बर्तनों का बढ़ेगा प्रयोग

प्रजापति समाज के प्रतिनिधिमण्डल से वार्ता के दौरान मुख्यमंत्री जी ने कहा कि मिट्टी के उद्योग को बढ़ावा एवं संरक्षण देने के लिए प्रदेश में एक माटी कला बोर्ड का गठन किया जाएगा। उन्होंने कुम्हारी कला में इस्तेमाल होने वाली मिट्टी को निकालने के लिए कुम्हार समाज को ग्राम पंचायतों में पट्टे आवंटित किए जाने के सम्बन्ध में प्रक्रिया प्रारम्भ किए जाने के निर्देश देते हुए कहा कि मिट्टी के कुल्हड़ों व बर्तनों के प्रयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। प्लास्टिक के प्रयोग के स्थान पर मिट्टी के कुल्हड़ों व बर्तनों को बढ़ावा दिए जाने से पर्यावरण को संरक्षित करने में भी मदद मिलेगी।

### मिट्टी की खुदाई से तालाबों में जल संरक्षण

कुम्हारी कला से जुड़े उद्योगों को प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैण्डअप इण्डिया, स्टार्टअप इण्डिया तथा 'एक जिला–एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के साथ जोड़ा जायेगा। प्रत्येक जिले में मण्डी समिति में प्रजापति समाज से जुड़े लोगों के लिए दुकान की व्यवस्था की जाएगी। प्रजापति समाज के लिए गांवों में प्रत्येक वर्ष अप्रैल से जून माह तक तालाबों में मिट्टी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी। इस मिट्टी की खुदाई से तालाबों में जल संरक्षण का कार्य प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा।

# पर्यटन विभाग के होटलों पर रूफटॉप सोलर पावर प्लांट को प्रोत्साहन

उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यटन नीति–2018 के तहत स्थापित हेरिटेज होटल की छतों पर नेट मीटरिंग प्रणाली पर स्थापित ग्रिड संयोजित रूफटॉप सोलर पावर प्लांट को प्रोत्साहित करने का निर्णय लिया है।

### 10 किलोवाट क्षमता के सोलर पावर प्लांट निरीक्षण से मुक्त

हेरिटेज होटल की छतों पर ग्रिड संयोजित रूफटॉप सोलर पावर प्लांट उ.प्र. विद्युत नियामक आयोग द्वारा समय–समय पर सूचित किये गए रेगूलेशन के अधीन स्थापित किये जा सकेंगे। दस किलोवाट क्षमता तक ग्रिड संयोजित सोलर पावर प्लांटों को राज्य विद्युत निरीक्षक के निरीक्षण से मुक्त रखा गया है।

रूफटॉप सोलर पैनल के माडयूल स्ट्रक्चर की ऊंचाई को भवन की कुल ऊंचाई, जो कि बिल्डिंग बायलॉज के अतंर्गत अनुमन्य हो, के अतिरिक्त आगणित नहीं हैं, की जाएगी। ग्रिड सोलर रूफटॉप पावर प्लांट की स्थापना की स्थिति में निर्माण के बारे में कोई अतिरिक्त अनुमति स्थानीय प्राधिकरण/निकाय से लिए जाने की आवश्यकता नहीं होगी। यह व्यवस्था उ.प्र. सौर ऊर्जा नीति–2017 के अंतर्गत प्रोत्साहन उपलब्ध कराने के लिए की गई है।

# 22 मई 2018 को सम्पन्न प्रदेश कैबिनेट की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

## मदरसों में अनिवार्य होगी हिन्दी और अंग्रेजी की पढ़ाई

योगी सरकार ने मदरसों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए उर्दू के अतिरिक्त हिन्दी और अंग्रेजी भाषा को भी अनिवार्य कर दिया है। कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश में अशासकीय अरबी और फारसी मदरसा मान्यता, प्रशासन एवं सेवा नियमावली 2016 में संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस संशोधन के अंतर्गत अब उर्दू, अरबी व फारसी के अतिरिक्त गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर आदि की शिक्षा उर्दू, हिन्दी व अंग्रेजी में दी जायेगी।

## एक से अधिक विवाह करने वाले नहीं बनेंगे दरोगा

अब ऐसे अभ्यर्थी जिसने किसी ऐसे स्त्री/पुरूष से विवाह किया हो, जिसका पति/पत्नी जीवित हो, तो वह दरोगा पद हेतु आवेदन नहीं कर सकेगा। पुलिस आरक्षी सेवा नियमावली में यह नियम पहले से लागू है। जिस सेवा नियमावली में यह नियम लागू नहीं है, वहां लागू किया जा रहा है।

**प्रदेश की सभी राशन दुकानों में लगेंगी ई-पॉस मशीनें**

**हरिद्वार में बनेगा 100 कक्षों वाला नवीन पर्यटन भवन**

**शुरू होगी चक गंजरिया स्थित संस्कृति स्कूल में पढ़ाई**

**फैजाबाद में शिक्षा विभाग ने 2.6 हेक्टेयर जमीन विद्युत केन्द्र स्थापना हेतु प्रदान की**

**राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों के मुद्रण सम्बन्धी नीति में संशोधन प्रस्ताव को स्वीकृति**

## नए भवनों हेतु इनर्जी कंजर्वेशन बिल्डिंग कोड

कैबिनेट ने यूपीइसीबीसी 2018 के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह उन भवनों या भवन परिसरों पर लागू होगा, जिनका संयोजित विद्युत अधिभार 100 किलोवाट अथवा उससे अधिक होगा। निजी आवासीय भवनों पर यह कोड लागू नहीं होगा। इस कोड के लागू होने से 20 से 25 प्रतिशत तक ऊर्जा खपत में कमी आएगी।

## युवाओं के लिए स्वरोजगार स्थापित करने का सुनहरा अवसर

भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा बेरोजगार युवक/युवतियों को अपना रोजगार स्थापित करने के लिए स्टैण्ड अप इण्डिया, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना प्रारम्भ की गई है। स्टैण्ड अप इण्डिया योजना के माध्यम से 10 लाख से 01 करोड़ रुपये तक ऋण दिया जायेगा।

स्टैंड-अप इंडिया योजना के तहत प्रत्येक बैंक शाखा द्वारा कम से कम एक अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उधारकर्ता और एक महिला उधारकर्ता को नई (ग्रीनफील्ड) परियोजना की स्थापना के लिए 10 लाख रुपये से लेकर 01 करोड़ रुपये के बीच बैंक ऋण दिये जायेंगे, जो उद्यम विनिर्माण, सेवा या व्यापार क्षेत्र से संबंधित हो सकते हैं।

जनपद के हस्तशिल्प कार्डधारकों को 06 प्रतिशत ब्याज उपादान की सुविधा उपलब्ध कराई जायेगी। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के माध्यम से उद्योग क्षेत्र में इकाई स्थापित करने के लिए 25 लाख रुपये तथा सेवा क्षेत्र में काम करने हेतु 10 लाख रुपये तक ऋण दिया जायेगा। इसके अतिरिक्त परियोजना लागत पर 25 प्रतिशत मार्जिन मनी सब्सिडी देने की व्यवस्था की गई है। इस योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु 18 से 40 वर्ष के मध्य होनी चाहिए और उसे हाईस्कूल पास होना चाहिए। पात्र एवं इच्छुक व्यक्ति इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए अपने-अपने जनपद में जिला उद्योग केन्द्र कार्यालय से सम्पर्क करके अन्य आवश्यक जानकारियां प्राप्त कर सकते हैं।



सूचना एवं जन सम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश के लिए, निदेशक डॉ. उज्ज्वल कुमार द्वारा प्रकाशित. सम्पादक : सुहेल वहीद अंसारी